Batch – 2023-24

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर – २०२३

सत्र – १

विषय : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी (HDS - 101)

दि.: २९/१२/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'विपात्र' उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में लिखकर उसके उद्देश्यों को रेखांकित कीजिए ।

प्र. २ 'विपात्र' उपन्यास में लेखकने समाज, शिक्षा क्षेत्र, मानव के जीवन की विसंगतियाँ एवं दुःख को अभिव्यक्ति दी है – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'विपात्र' उपन्यास में वर्णित चरित्रों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ 'रस प्रिया' कहानी की कथावस्तु को संक्षेप स्पष्ट करते हुए, उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ५ 'कस्बे का आदमी' कहानी के छोटे महाराज के जीवन संघर्ष को स्पष्ट करते हुए, इस कहानी की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ 'सुख' कहानी में अभिव्यक्त व्यंग्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ कर्मयोग शास्त्र की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए, गीता में वर्णित कर्म से तात्पर्य क्या है – लिखिए ।

प्र. ८ कर्मयोग शास्त्र में वर्णित तीन पंथों को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१) तुम जितना ऊपर चढ़ते हो, अपने सगों से दूर क्यों हटते जाते हो ?

२) आप जरा-सी चोट खाकर रोंने लगते हो, राजनीतिज्ञ लोहे के समानधर्मी होते हैं।

३) न आकाश से पानी बरसता है, न जमीन से बीज फूटता है ।

४) उनके जो कर्म अच्छे हैं, उन्हीं का अनुकरण करो, बाकी सब छोंड़ दो ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) 'विपात्र' उपन्यास के लेखक

२) नन्हों

३) मोहना

४) 'दायरा' कहानी की विशेषता ।